RAJYA SABHA

Friday, the 6th March, 1992/the 16th Phalguna, 1913 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock.

Mr. Chairman in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

AN HON. MEMBER : Why are you smiling, Sir ?

MR. CHAIRMAN : I was trying to catch the eye of the Leader of the Opposition before sitting down.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY) : Thank you, Sir.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH {Bihar) : For the day the Treasury Benches are empty, Sir.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu) : Why ? Are we not Members sitting on the Treasury Benches? You should also look to the Opposition Benches.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH : No, no; you can see there, Madam. .. *(Interruptions)...*

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra) : You look very glamorous.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Thank you.

MR. CHAIRMAN : Question No. 141

*141. *[The questioner (Shri Raiubhai A. Parmar) ,:as absent. For answer, vide Cols* ..... 32-33..... *infra.]*

Revision in prices of Delhi Milk Scheme Milk

*142. SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : †
SHRI MOHINDER SINGH LATHER :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have permitted the Delhi Milk Scheme to raise the price of doubled-tonned milk from Rs. 5/- to Rs. 7- 75 per *litre;* and

(b) if so, the reasons therefor ?

†The question was actually asked on floor of House by Shrimati Sushma Swaraj.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K.C.LENKA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, आम तौर पर "जी नहीं" और "प्रश्न ही नहीं उठता" ऐसे जवाब सुनकर प्रश्नकर्ता को निराशा होती है, लेकिन सभापति जी मेरे सवाल का स्वरूप ऐसे था कि मंत्रीजी का नकारात्मक उत्तर सुनकर मुझे प्रसन्नता हुई है क्योंकि मैंने यह जानना चाहा था कि क्या डी. एम. एस. द्वारा बेचे जा रहे दूध के दामों को बढ़ाने की स्वीकृति सरकार ने दी है ? मंत्री जी ने "न" बोलकर हम सबको राहत पहुंचायी है, मैं उसके लिए उनका धन्यवाद करते हुए.....

श्री सभापति : अब आप प्रश्न करिए out of kindness for others.

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह जानना चाहती हूं कि क्या दाम बढ़ाने का कोई प्रस्ताव डी. एम. एस. की तरफ से आपके मंत्रालय के पास आया था और क्या बढ़ोतरी के लिए यह तर्क दिया गया था कि इस दाम पर दूध बेचकर डी.एम. एस. निरंतर घाटा बढ़ा रही है ? मैं मंत्रीजी से यह जानना चाहूंगी कि क्या यह बात सही है, तो जहां आपने दाम न बढ़ाकर उपभोक्ताओं के साथ न्याय किया है, वहीं इस संस्था का घाटा दूर करने के लिए दूसरे कौनसे विकल्प सुझाए हैं ?

SHRI K. C. LENKA : Mr. Chairman, Sir, DMS is supplying milk at the lowest price in Delhi. Madam Sushma Swaraj is confused about the rate of the double toned milk. The double toned milk is being supplied by DMS at Rs. 4-40 and not at Rs. 5/- as she has quoted in her question. This double-toned milk is being supplied to the poor people and those who live in jhuggi-jhompri areas. Sir, as you know, this question had been answered twice in the last Session and it was said that DMS was losing heavily. The accumulated loss of DMS up till now is about Rs. 200 crores and this year

it has been estimated at about Rs. 43 crores. So it will be losing..

MR. CHAIRMAN : She wants to know what you are going to do to reduce the losses.

SHRI K. C. LENKA : Sir, the Member is confused about it.. . .*(Interruptions)*.. .. She knows the situation. She will help me how to solve the problem.. .*(Interruptions)* ..

MR. CHAIRMAN : He is seeking your help.. .*(Interruptions)*.. No, no; he is seeking your help. Have you any objection ?

SHRI K. C. LENKA : Sir, she has raised a very genuine point. I want to convince her.. *(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN : He wants her help.

SHRI K. C. LENKA : And I want her suggestion to solve this 'problem. We are losing Rs. 2. 75 per litre. Mother Dairy is working in Delhi as a sister organisation and that Mother Dairy is making profit whereas the DMS is making loss because Mother Dairy is supplying milk at Rs. 6 and Rs. 9 whereas the DMS is charging Rs. 4. 40 for double-toned milk and Rs. 5 for toned milk. Madam, , double-toned milk is sold at Rs. 4.40, and toned milk which has got a three-point fat, that is, high nurient content, at Rs. 5. This is the lowest price. Now the Government is considering to increase this price. We have not instructed the DMS to increase the price. Mother Dairy has been empowered to increase its selling price. The DMS has not been empowered to increase its selling price. The Government has not instructed the DMS. The Government is very seriously considering how we can make up this loss *(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN : You kindly make your reply also short, otherwise many Members will ask questions.

SHRI K. C LENKA : So, I wan suggestions from you on how to make up this loss.

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, मुझे लगता है मेरी बधाई बहुत अस्थाई रही और बधाई देना बेकार गया ।...

श्री सभापति : क्यों ? यह आपकी मदद मांग रहे हैं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : मेरे सवाल पूछते ही उन्होंने जवाब दे दिया कि डी. एम. एस. बहुत घाटे में चल रही है, इसीलिए अभी तक उन्होंने दाम बढ़ाने की स्वीकृति नहीं दी है । मुझसे समस्या का समाधान मांग करके दूसरी ओर से यह कहलवाना चाह रहे हैं मुझसे, कि वह दाम बढ़ा दें । लेकिन, इस तरह की कोई स्वीकृति हाउस और संसद आपको देने वाली नहीं है । यह मैं आपको पहले बता दूं । यहां तक मदर-डेयरी का सवाल है, सभापति जी, दिल्ली में दो संस्थाएं , बड़ी संस्थाएं दूध बेचने का काम कर रही हैं— मदर डेयरी और डी. एम.एस. । दोनों पर कमोवेश सरकार का कुछ नियंत्रण है । स्वयं आपने माना कि एक संस्था छः रुपये और नौ रुपए के भाव दूध बेच रही है । सदन तो आपसे यह कहने जा रहा है कि मदर डेयरी का भी दाम पांच रुपए क्यों नहीं करवाते हैं ? उसको छह रुपया और नौ रुपया क्यों बेचने दे रहे है ? जो डी. एम. एस. 4 रुपए 40 पैसे बेच रही है, वही मदर डेयरी 6 रुपए बेच रही है । आप उसको भी 4 रुपए 40 पैसे क्यों नहीं बिकवाते ? यह सदन आपसे जानना चाहता है । ....

श्री सभापति : उन्हीं के जवाब से आपने प्रश्न उठा लिया ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : कहते हैं कि हरेक प्रश्न का दूसरा उत्तर है दूसरा प्रश्न.....

श्री सभापति : अरे, अब बस इतना काफी है ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : और उत्तर तो है सिर्फ निरुत्तर ही जग में ।

SHRI K. C. LENKA : Mr. Chairman, Sir we will do, otherwise Mother Dairy will loss as the DMS is losing every year. Mother Dairy : is running the busiess on, no-profit no-loss basis. When the DMS was started it was decided that the DMS also would be run on no-profit no-loss basis. Instead of running it on no-profit

no-loss basis it is making loss every year and the accumulated loss is about Rs. 200 crores. How can we ask Mother Dairy to reduce its selling price so that the DMS will not raise the price ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, क्या मंत्री महोदय को यह जानकारी है। क्या मंत्री महोदय कहना चाह रहे हैं कि डी० एम० एस० का सारा घाटा दामों के कारण है ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : सभापति महोदय, मैडम से, मैं माननीय सदस्या से सिर्फ एक सलाह लेना चाहता हूं कि आपके घर का बजट आप कैसे चलाती हैं ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं अपने घर का बजट बेटर मैनेजमेंट से चलाती हूं । क्योंकि डी०एम०एस० में.... (**व्यवधान**) मिसमैनेजमेंट है । इसीलिए घाटा है । उनकी इन्क्वायरी चल रही है ।.... (**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN : Shri Mohinder Singh Lather.

बलराम जाखड़ : सभापति महोदय, बेहतर मैनेजमेंट का हमारे पास उदाहरण है डी०एम० एस० । ...

श्री सभापति : आपने वही बात कह दी, आप भी बस मान रहे हैं, जैसे महिलाएं बजट चलाती हैं, वैसे आप भी ।... (**व्यवधान**)

श्री बलराम जाखड़ : सर, बेहतर मैनेजमेंट का सवाल यह है, मैं यह उदाहरण देना चाहता हूं कि डी० एम० एस० जो है, उसने खर्चे कम किए हैं, स्टाफ उसका कम हुआ है, काम हमारा ज्यादा हो रहा है । जहां 3.5 लाख लीटर था, वहां 5 लाख लीटर सप्लाई करते हैं, 2900 के बजाय 2300 आदमी काम करते हैं, हर प्रकार से । और, 135 आपका परसेंट पाइंट तो बढ़ा है आपका बिजली का और दूसरे पानी का 73 परसेंट बढ़ा है । सारी चीजें बढ़ी हैं, उसके बावजूद हम इतना खर्चा कम करें । सिर्फ इतना ही अनपात है कि... (**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसी अनुपात से ज्यादा घटा भी उठाते हैं ।... (**व्यवधान**)....

श्री वीरेन जे० शाह : दूध में पानी मिला रहे हैं । पानी का खर्चा बढ़ा तो दूध में पानी मिला रहे हैं यह ।... (**व्यवधान**)....

श्रीमती सुषमा स्वराज : कृषि मंत्री जी इसके साथ ही यह भी कहिए कि उसी के अनुपात में घाटा उठाते हैं ।... (**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN : Shri Lather. I called Shri Lather. *(Interruptions)...*

SHRI DIPEN GHOSH : Sir, the input cost is going up. The water cost is going up. So, the input cost is going up.

MR. CHAIRMAN : You only answer the person whom I have called.

SHRI MOHINDER SINGH LATHER: Mr. Chairman, Sir, milk is a very vital item for human consumption.

और यह जो डबल टोण्ड मिल्क है, जो पांच रुपए में बिकता है, मैं इसको डबली रुईन्द मिल्क कहूंगा । इसके अन्दर न कोई फूड वेल्यू है, न फैट न टेस्ट है । इस दूध को बच्चे भी नहीं पीते, जब तक कि इसके अन्दर बोर्नवीटा न मिला दो। और, चेयरमैन सर, इस दूध का भी ब्लैक हो रहा है । ये दूध, मैं परसों की एक चार लफ्जों की लाईन की शिकायत बताऊंगा आपका कन्ज्यूमर्स की। "देवनगर" में लिबर्टी सिनेमा के पीछे दुग्ध योजना के बूथ नम्बर इतने में दूध के वितरण में धांधली हो रही है । 17 क्रेट दूध में से प्रतिदिन 4 क्रेट दूध ब्लैक में बेच दिया जाता है तथा 4 क्रेट कुछ खास लोगों के लिए सुरक्षित रखा जाता है । इसका मतलब हुआ कि 17 क्रेट में से सिर्फ 9 क्रेट ही लोगों को मिलते हैं और वह बूथ सिर्फ 10 मिनट के लिए खुलता है । यह परसों के "नवभारत टाइम्स" अखबार में आया है ।

श्री सभापति : आप प्रश्न कर लें ।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : मैं प्रश्न पर आ रहा हूं । दूसरी बात इन्होंने कही कि घाटा चल रहा है । इतनी धांधलेबाजी और घपलेबाजी हो रही है मिल्क स्कीम में कि सरकार को मजबूर होकर इसकी इंक्वायरी सी०बी०आई० को देनी पड़ी, सी० बी० आई० इसकी इंक्वायरी कर रही है । मैं आपकी मार्फत मिनिस्टर साहब से पूछना चाहूंगा कि सी०बी०आई० की इंक्वायरी का क्या हुआ और उस इंक्वायरी की जरूरत क्यों पड़ी ?

मैं अपना सप्लीमेंटरी दो पार्ट में पूछना चाहता हूं । पहला तो यह कि क्वालिटी बढ़ाने के लिए मिल्क की ताकि दूध अच्छा मिले, सस्ते दामों पर मिले, सरकार इसके लिए क्या कदम उठा रही है ? दूसरा पार्ट इसका यह है कि दिल्ली के जो आसपास के गांव हैं---हरियाणा, राजस्थान या यू० पी० का इलाका दिल्ली के चारों तरफ लगता है । दिल्ली डेवलपमेंट के कारण दूध बढ़ाने के लिए सरकार क्या इंसेंटिव्स फार्मर्स को दे रही है ? ये दो मेरे प्रश्न हैं।

MR. CHAIRMAN : You make your answers brief. Don't go by the length of the question.

SHRI K. C. LENKA : Sir, the double-toned milk supplied by the DMS is inspected every day in the laboratories. Its standard is all right. The hon. Member has mentioned that there is no standard

MR. CHAIRMAN : He says that the standard of milk is so poor that even children don't drink it. The children of Haryana don't drink it.

SHRI K.C. LENKA : Sir, the fat content in double-toned milk is 1-5 per cent. The milk is tested every day in the laboratories and then it is released to the people. Sir, his second point is regarding corruption. I have no information about corruption that is going on in the DMS. If the hon. Member knows anything about it, he can write to me and I will take action on it.

SHRI VIREN J. SHAH : What is the percentage of water ?

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इनको ब्लैक मार्किट की खबर नहीं है ।

MR. CHAIRMAN : You need not answer any other person except the person I have called.

SHRI MOHINDER SINGH LATHER: I have to make one submission about water.

MR. CHAIRMAN : No submission. We have already spent 13 minutes on the first question. Where are supplementaries? Let us start supplementaries.

SHRI K.-C. LENKA : Sir, I entirely agree with the hon. Member. The DMS milk is sold to

श्री शांति त्यागी : सभापति जी, दिल्ली मिल्क स्कीम के जो दूध बांटने वाले बूथ हैं उन पर ग्राहकों की बड़ी लम्बी लाइनें खड़ी रहती हैं, लोगों का बहुत टाइम जाया होता है ।

श्री सभापति : आप प्रश्न कर लें ।

श्री शांति त्यागी : क्या मंत्री जी यह आश्वासन देंगे कि कुछ और बूथ भी वह जनहित में खोलेंगे और वृद्धि करेंगे ?

दूसरे, अध्यक्ष जी, क्या यह बात सही है और मंत्री जी स्वीकार करेंगे कि दिल्ली में दूध की जितनी मांग है, उसको देखते हुए आपूर्ति कम है ? यदि हां, तो सरकार इस विषय में क्या कर रही है ? मेरे ये दो प्रश्न हैं।

the people at the lowest price. Naturally more people are being refused this time.

MR. CHAIRMAN : He wants to know what you are going to do to solve this problem.

SHRI K. C. LENKA : So the demand is more because the private milk suppliers are supplying milk at Rs. 8 per ,in Delhi. The consumption of militre Delhi is estimated at about 25 lakh in Only DMS and Mother Dairy are litres. ting-------mee-

MR. CHAIRMAN : He agrees. You agree that there are queues.

श्री शांति त्यागी : सभापति जी, मैं बूथ बढ़ाने की बात कर रहा हूं । आप बूथ बढ़ायेंगे या नहीं ।

MR. CHAIRMAN : He wants to know whether you can increase the booths.

SHRI K. C. LENKA : According to the availability and procurement, we have got sufficient booths. If we want to increase booths, we have to procure more milk. After procuring more milk we can think of increasing booths.

MR. CHAIRMAN : He is having booths according to the availability of milk.

श्री बलराम जाखड़ : सभापति जी, मैं अपने आनरेबल साथी की बात में थोड़ा सा एडीशन करना चाहता हूं कि हम कंटम्पट-लेट कर रहे हैं, दो लाख लीटर और दूध बढ़ाने की व्यवस्था कर रहे हैं आगे के लिए । जब हो जाएगा तो करेंगे ।

श्री शांति त्यागी : मांग की बात रह गई है ।

श्री सभापति : वह जवाब दे दिया है न उन्होंने । बलराम जी ने कह दिया न कि बढ़ाएंगे मिल्क तो बढ़ेंगे बूथ भी ।

श्री सोमपाल : माननीय सभापति जी, किसान होने के नाते मेरी यह जानकारी है कि दुग्ध उत्पादन में लगे किसानों के लिए यह धंधा अब लगतार घाटे का होता जा रहा है और उसका मुख्य कारण यह है कि दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के ऊपर न केवल मूल्य नियंत्रण है बल्कि उनके प्रोसेसिंग के डेयरी उत्पाद के ऊपर भी पाबंदी है और एक ओर तो हम अपनी अर्थव्यवस्था को विश्व बाजार में जोड़ने की बात कर रहे हैं और सारी यह रुकावटें मार्किट की और प्राइस की किसानों के ऊपर लगाई जाती हैं, सारी सबसिडी भी वापिस होने की बात हो रही है । गांव में जाकर यह फिगर्स पता लगाई जा सकती हैं कि 20–25 हजार रुपए की जो गाय या भैंस आती है अगर उसका ब्याज भी लगाया जाए तो उसका ब्याज भी पूरा नहीं होता, मैं सवाल पर आ रहा हूं, और किसान होने के नाते माननीय जाखड़ साहब भी यह बात जानते हैं । अब दो ही रास्ते बचते हैं कि या तो दुग्ध उत्पाद की पूरी अर्थव्यवस्था का अध्ययन करके एक समर्थन मूल्य सरकार घोषित करे और जितना दूध किसान दे उसको खरीदने की गारंटी दे या दूध उद्योग को पूर्ण मूल्य नियंत्रण से बाहर कर दिया जाए । इनमें से कौन सा कोर्स सरकार लेना चाहती है, उनकी छांट है । मैं जानना चाहता हूं कि सरकार इनमें से कौन सी नीति पसंद करेगी और उसको कार्यान्वित करने के लिए क्या कदम उठाएगी ?

श्री बलराम जाखड़ : माननीय सदस्य को मैं, माननीय सभापति जी, यह बता देना चाहता हूं कि जो नई पालिसी आई है, उसमें वह स्थिति नहीं है जो पहले थी । अब प्रश्न इतना ही पैदा होता है कि आपके प्रश्न का समाधान सुषमा जी के प्रश्न के साथ कैसे किया जाए, जो उन्होंने किया था, वह सस्ता दूध चाहती हैं ।

श्री सोमपाल : सुषमा जी शहर के आदमी को सस्ता दूध पिलाने में इंटरेस्टिड हैं, मैं किसान की इकानामी इम्प्रूव करने में इंटरेस्टिड हूं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं उसमें भी भी इंटरेस्टिड हूं ।

श्री बलराम जाखड़ : सभापति जी, दोनों का समाधान करना पड़ेगा और बीच का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा । किसान को पैसा देना पड़ेगा अगर उसने दूध उत्पादन करना है और अगर वह दूध का उत्पादन नहीं करेगा तो मैं मिल्क सप्लाई बढ़ा नहीं सकता हूं और न मेरे पास कोई अलादीन का चिराग है । तो दोनों बातें हैं । ठीक कह रहे हैं माननीय सदस्य कि उनके उत्पादन का मूल्य हम उन्हें ठीक दें और अगर ठीक देंगे तो सुषमा जी को भी थोड़ा सा सोचना पड़ेगा । तो दोनों को बराबर करके ठीक करेंगे और अभी इस वक्त (व्यवधान) ....

श्री सोमपाल : क्या कदम उठाना चाहते हैं उसके लिए ?

श्री बलराम जाखड़ : देखिए हम उसको बढ़ावा देकर के, अब तो हमने लिबरलाइज कर रखा है । फिलहाल तो सिर्फ इतना ही होता है कि जब मौका ऐसा आता है कि जब दूध बिल्कुल सप्लाई नहीं होता तो हम उस पर बैन लगा देते हैं ।

MR. CHAIRMAN : You are not putting any control at the present moment.

SHRI BALRAM JAKHAR : There is no control whatsoever at the moment.

SHRI SOMPAL : They impose control whenever they like. That is our objection. Why should it be done only agricultural produce ?

श्री बलराम जाखड़ : सोमपाल, जी मैं यही तो कह रहा हूं आपको कि फिर वही होता है कि यहां दूध मिलता नहीं है । पहले मैं सोचता हूं कि कुछ ऐसा समाधान हो जिससे कि दूध उत्पादकों के हितों का संरक्षण हो और दूध की सप्लाई भी सुधर सके । इसलिए दोनों का अनुपात हमें बराबर रखकर करना पड़ेगा ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप किसान को कम देते हैं और उपभोक्ता से ज्यादा लेते हैं ।

श्री सभापति : : आप जवाब न दें ।

I want to make it clear that any interruption need not be replied to by the Minister.

बीच में जो बोलेगा उसका जवाब मंत्री जी को नहीं देना है । दया करनी चाहिए दूसरे लोगों पर जो अपना सप्लीमेंटरी करना चाहते हैं । इस वक्त की बात दूसरी है, आप जानते हो मुझे कहने की जरूरत नहीं है । आज आखिरी दिन है आज तो ठीक से रखो ।

SHRI SANTOSH KUMAR SAHU : Sir, may I know, through you, from the hon. Minister whether any in depth study has been made by this Government, because milk is a very important, essential item for the people, to reduce the cost of management and supply so that prices can be kept at a reasonable level. Second, has the Government made adequate plans in the 8th Five Year Plan to increase the supply of milk as milk is in short supply in Delhi as reported in press ? Third, is there any proposal to transfer the Delhi Milk Scheme to Delhi Administration ?

SHRI K. C. LENKA : Sir, we have already minimised the administrative cost of the Delhi Milk Scheme. So far as communication, transporation and other things are concerned, we have minimised their costs. The second point is, the suggestions given by the hon. Member is a good suggestion and the Government will consider as to whether it could be transferred to the Delhi Administration or not.

भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् के मामले

*143. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद के बजट का अधिकांश भाग अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन तथा भत्तों पर खर्च कर दिया जाता है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान वेतन, भत्तों और यात्रा पर तुलनात्मक दृष्टि से कितना वार्षिक खर्च किया गया और अनुसंधान कार्य पर औसतन कितना खर्च हुआ ; और

(ग) संस्थान के प्रशासनिक व्यय को कम करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

*सभा में यह प्रश्न सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा द्वारा पूछा गया ।